an>

Title:Regarding need to ensure safety of people living downstream of Mullaperiyar dam.

ADV. JOICE GEORGE (IDUKKI): There is no dispute for sharing of water from Mullaperiyar dam between Kerala and Tamil Nadu. The state of Kerala has always been ready and willing to share water with the Tamil Nadu as per the prevailing terms of agreement. The only concern is about the safety of the people living in the downstream of the Dam. It is a fact that the dam is not safe in the event of earthquake or flood. The dam is situated in a seismic prone area as certified by various agencies including IIT Roorkee. The Government should try to address the fear of the people living downstream of the dam. They face socio-economical and psychological trauma arising out of the safety aspects of the Dam due to its age and the century old technology used for its construction. After having found that the dam is unsafe, the Central Water Commission has reduced the storage capacity of the dam to 116 feet in the year 1979. Now the water level has been raised up to 142 feet that causes threat to the lives of more than 40 lakh of people. Hence I urge upon the Government to safeguard the interest of both the States by providing water to Tamil Nadu and ensuring the safety of the people living downstream of the dam.

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राजीव प्रताप रूडी): उपाध्यक्ष महोदय, आज सुबह से सदन की कार्यवाही बाधित है।...(व्यवधान) सुबह से हाउस में इस तरह से डिस्टर्बेंस बना हुआ है।...(व्यवधान) हम बिल्कुल चाहते हैं कि सदन की कार्यवाही चले।...(व्यवधान) जो भी विÂाय हों, यदि आपके पास उसकी नोटिस है, और यदि आपकी इच्छा हो तो उन्हें सदन में अपनी बात रखने की अनुमति दी जाए।...(व्यवधान) इसके अतिरिक्त माननीय स्पीकर के पास यदि कोई नोटिस हो।...(व्यवधान) हम पूरी तरह से इनके विÂाय को सुनना चाहते हैं, इनके विÂाय को समझना चाहते हैं।...(व्यवधान) लेकिन, अगर कोई बाहर की घटना हुई हो, जिससे ये सब आंदोलित हैं, और इन्हें लगता हो कि सरकार ने इसमें कुछ किया है।...(व्यवधान) ये बाहर प्रेस कॉंफ्रेंस कर रहे हैं, बाहर टिप्पणियां दे रहे हैं, बाहर वक्तव्य दे रहे हैं।...(व्यवधान) लेकिन, देश हमारे माननीय सदस्यों को, विशेÂाकर कांग्रेस पार्टी के सदस्यों को सुनना चाहता है कि आखिर विÂाय क्या है, जिसके कारण वे सदन के भीतर इस प्रकार का हंगामा कर रहे हैं।...(व्यवधान)

महोदय, आज एक बहुत ही महत्वपूर्ण विÂाय पर चर्चा है।...(व्यवधान) आज सुखाड़ के विÂाय पर चर्चा है, जिसकी आपने अनुमति दी है।...(व्यवधान) उसमें सैंकड़ों की संख्या में माननीय सदस्य भाग लेना चाहते हैं।...(व्यवधान) पूरे देश के किसान इस संसद की तरफ देख रहे हैं कि आखिर हमारे माननीय सांसद हमारी इस बदहाली के लिए, हम पर प्रकृति का जो प्रकोप पड़ा है, जिस प्रकार से हम प्रभावित हैं, पूरे देश में सूखा पड़ा है, सभी सुनना चाहते हैं कि हमारे माननीय सदस्य सूखे के सवाल पर किस प्रकार सदन में विÂाय उठाते हैं।...(व्यवधान) लेकिन, बड़ा अफ़सोस है कि कांग्रेस के मित्र बिना कोई कारण दिए हुए, पूरे सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहे हैं।...(व्यवधान) यहां तक कि जितने दूसरे माननीय सदस्य हैं, उनके भी पूरे प्रयास को विफल करने का प्रयास कर रहे हैं।...(व्यवधान) इतिहास में यह पहली बार हुआ होगा कि सूखे के सवाल पर, जब देश के 70 करोड़ किसान भारत के इस पार्लियामेंट की तरफ देख रहे हैं, तो हमारे कांग्रेस के मित्र सूखे के सवाल पर चर्चा को सदन में चलने नहीं दे रहे हैं।...(व्यवधान) यह देश के गरीब किसानों के साथ कहां तक न्याय है? आज पूरे देश में सुखाड़ के कारण जो स्थिति उत्पन्न हुई है, उसमें अन्न का उत्पादन प्रभावित हुआ है और सकल घरेलू उत्पाद प्रभावित हुआ है।...(व्यवधान) आज भी सरकार बार-बार यह कह रही है कि किसानों के लिए विशेÂा चर्चा की जाए।...(व्यवधान) उसमें हमारे कृÂिा मंत्री जवाब देना चाहते हैं।...(व्यवधान) प्रधान मंत्री जी ने बार-बार कहा है कि जो कुछ हम करेंगे, गरीब के लिए, किसान के लिए, मज़दूर के लिए, नौजवान के लिए करेंगे।...(व्यवधान) क्या ये कांग्रेस के सदस्य पूरे देश को यह बताएंगे कि आखिर किस विÂाय पर ये सदन के भीतर इस प्रकार से नारा लगा रहे हैं? यदि बाहर का कोई मामला है, जैसा कि हमें लगता है, हमें जानकारी नहीं है, जो हमारा अनुमान है कि बाहर में किसी कोर्ट के विÂाय को लेकर, जिसमें कोर्ट ने किसी विÂाय का संज्ञान लिया है, इनकी अपनी एक अपील थी, जिसे कोर्ट ने खारिज़ कर दिया है।...(व्यवधान) देश का कानून सबके लिए बराबर है।...(व्यवधान) यह केस कोई आज का केस नहीं है, जिसके बारे में चर्चा करें।...(व्यवधान) यह केस तो वÂाार्ों से है और इसका संज्ञान लिया गया है।...(व्यवधान) यह सरकार 16 महीनों से है।...(व्यवधान) आखिर यह विÂाय पहले क्यों नहीं आया, जिसे आज ये उठाना चाह रहे हैं? ...(व्यवधान) जो सदन के बाहर की गतिविधि है, कानून की कार्रवाई है, जुडीशियल प्रॉसेस है, उस प्रॉसेस में आखिर सरकार की क्या भागीदारी हो सकती है? ...(व्यवधान) हम तीनों, न्यायपालिका, कार्यपालिका और संसद सबको अलग मानकर चलते हैं।...(व्यवधान) पूरे संविधान की मर्यादा को देखते हुए मैं माननीय सदस्यों से आग्रह करूंगा कि अपनी कुर्सी पर जाकर अपने विÂाय को पूरे देश को बतायें कि आखिर विÂाय क्या है, क्यों आंदोलित हैं, क्यों सदन की कार्रवाई नहीं चलने दे रहे हैं, सूखा के सवाल पर बहस सदन में क्यों नहीं होने दे रहे हैं?...(व्यवधान)

महोदय, मैं आपसे यह आग्रह करूँगा कि आप इनसे यह अपील करें, कांग्रेस के मित्रों से अपील करें। ...(व्यवधान) इन्होंने बीएसी की बैठक में कहा था कि आप सूखे पर चर्चा की शुरूआत कराएं, हम जितने विधायी कार्य हैं, उन्हें पारित कराएंगे।...(व्यवधान) सूखे पर सवाल लिया गया है।...(व्यवधान) कल इनको विशेÂा रूप से, कांग्रेस पार्टी को, जबकि सीपीएम का नोटिस था, फिर भी हमने अनुमति दिलवायी, सदन ने आग्रह स्वीकार किया कि कांग्रेस के सदस्य इस विÂाय को उठा सकते हैं।...(व्यवधान) कांग्रेस के सदस्य श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सूखे पर बहस शुरू की। ...(व्यवधान) आज जब बहस का सिलसिला जारी रखना था, तो माननीय सदस्य आकर इस प्रकार से सदन के भीतर नारेबाजी कर रहे हैं। ...(व्यवधान) यह बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है। ...(व्यवधान) देश के किसानों के खिलाफ है। ...(व्यवधान) कांग्रेस पार्टी अपने इस व्यवहार से देश के किसानों के खिलाफ एक वातावरण पैदा कर रही है। ...(व्यवधान) देश के किसान, गरीब और मजदूर ...(व्यवधान) देश की इस गरीबी और खासकर इस वातावरण में जहां पूरे देश में एक सुखाड़ का वातावरण है ...(व्यवधान) संसद को न चलने देने की स्थिति में देश के किसानों के साथ बड़ा आघात कर रहे हैं और स्थिति बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। ...(व्यवधान)

14.07 hours

DISCUSSION UNDER RULE 193